किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी- श्री सोहन लाल, सीईओ , जिला परिषद

किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज ,वर्मी कम्पोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट पैकेट किए वितरित*

एसकेआरएयू गोद लिए गांव पेमासर में वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हमारा समाचार

बीकानेर । स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में %%वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व%% विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद श्री सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए। सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें।

उन्होने कहा कि मैं खुद घर में कीचन गार्डन लगाऊंगा।उन्होने कहा कि गांव की 5-6 महिलाएं अगर समूह बना लें। राजीविका का स्टाफ यहां आकर एसएचजी ग्रुप बनाकर महिलाओं को लाभान्वित कर सकेगा। साथ ही महिलाओं को प्रोडक्ट बेचने में सहूलियत होगी।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गोद लिए गए गांव पेमासर के विकास में कृषि विश्वविद्यालय कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। साथ ही कहा कि गांव की महिलाओं और बालिकाओं की मांग पर कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द ही गांव में सिलाई, कढ़ाई, डिजाइन, ब्यूटीशियन इत्यादि के कोर्स भी करवाए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि गांव की महिलाएं हरियाली नाम से प्रोडक्ट बेचती हैं। स्वयं सहायता समूह के प्रोडेक्ट को कृषि विश्वविद्यालय के काउंटर पर भी बेचा जाएगा। अच्छी क्वालिटी का प्रोडक्ट बाहर भी भेजा जाएगा। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि गांव के घरों में किचन गार्डन बनाए जाते हैं तो केमिकल मुक्त सब्जियां प्राप्त हो सकेंगी। जो स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। डॉ एच.एल.देशवाल ने वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व अतिथियों का साफा पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आखिर में स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, डॉ एस.आर.यादव, डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत, केवीके बीकानेर प्रभारी डॉ दुर्गा सिंह, गांव के प्रभारी अधिकारी और एफआईएमटीटीसी इंचार्ज डॉ वाई.के.सिंह, डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ शीश पाल, डॉ मनमीत कौर समेत गांव की महिलाएं और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन श्री केशव मेहरा ने किया।

आईएबीएम के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालय का लहराया परचम

विज्ञापन और समूह नृत्य प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर बने चैंपियन

सीमा किरण

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) के विद्यार्थियों ने आईएसएबी, ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि व्यवसाय उत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर भी आईएबीएम रहा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने आईएबीएम की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि आईएबीएम अपनी स्थापना से लेकर पिछले 25 वर्षों में सौ फीसदी प्लेसमेंट के साथ अन्य प्रतियोगिताओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन करता रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन और नृत्य प्रतियोगिता में चैंपियन बनकर उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

संस्थान के निवर्तमान निदेशक डॉ आई.पी. सिंह तथा वर्तमान निदेशक डॉ विजय प्रकाश आर्य ने पुरस्कृत विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए अन्य विद्यार्थियों के लिए इसे प्रेरक बताया। संस्थान के सभी शिक्षकों डॉ अदिति माथुर, डॉ अमिता शर्मा और गैर शैक्षणिक कार्मिकों श्री दीपक माथुर, श्री सज्जन सिंह, सुश्री श्रुति मेहरा ने भी इस उपलब्धि पर प्रतिभागियों को बधाई दी। चैंपियन टीम को 31 हजार का और दूसरे स्थान पर रही टीम को 21 हजार का पुरस्कार मिला।

संस्थान के मीडिया प्रभारी सहायक आचार्य श्री विवेक व्यास ने बताया कि आईएबीएम के एमबीए विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की विज्ञापन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 55 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में शार्वी लढ्ढा, लीबा अशरफ, सुष्मिता और गुंजन चौहान शामिल थे। इसमें दूसरा स्थान भी आईएबीएम ने हासिल किया। इस टीम में राहुल गौरिश,तायल चौहान, अभिजीत गौरव,और महिमा त्रिवेदी शामिल रहे। श्री व्यास ने बताया कि समूह नृत्य प्रतियोगिता में 30 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें आईएबीएम की टीम अभय माथुर,अभिजीत गौरव, इशिका मीना, देविका, महिमा, प्रद्युम्न और तायल चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 27 विद्यार्थियों के दल ने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

एसकेआरएयू- आईएबीएम के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालय का लहराया परचम

हमारा समाचार

बीकानेर । स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) के विद्यार्थियों ने आईएसएबी, ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि व्यवसाय उत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर भी आईएबीएम रहा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने आईएबीएम की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि आईएबीएम अपनी स्थापना से लेकर पिछले 25 वर्षों में सौ फीसदी प्लेसमेंट के साथ अन्य प्रतियोगिताओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन करता रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन और नृत्य प्रतियोगिता में चैंपियन बनकर उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

संस्थान के निवर्तमान निदेशक डॉ आई.पी. सिंह तथा वर्तमान निदेशक डॉ विजय प्रकाश आर्य ने पुरस्कृत विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए अन्य विद्यार्थियों के लिए इसे प्रेरक बताया। संस्थान के सभी शिक्षकों डॉ अदिति माथुर, डॉ अमिता शर्मा और गैर शैक्षणिक कार्मिकों श्री दीपक माथुर, श्री सज्जन सिंह, सुश्री श्रुति मेहरा ने भी इस उपलब्धि पर प्रतिभागियों को बधाई दी। चैंपियन टीम को 31 हजार का और दूसरे स्थान पर रही टीम को 21 हजार का पुरस्कार मिला। संस्थान के मीडिया प्रभारी सहायक आचार्य श्री विवेक व्यास ने बताया कि आईएबीएम के एमबीए विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की विज्ञापन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 55 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में शार्वी लढ्ढा, लीबा अशरफ, सुष्मिता और गुंजन चौहान शामिल थे। इसमें दूसरा स्थान भी आईएबीएम ने हासिल किया। इस टीम में राहुल गौरिश,तायल चौहान, अभिजीत गौरव,और महिमा त्रिवेदी शामिल रहे। श्री व्यास ने बताया कि समूह नृत्य प्रतियोगिता में 30 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें आईएबीएम की टीम अभय माथुर,अभिजीत गौरव, इशिका मीना, देविका, महिमा, प्रद्युम्न और तायल चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 27 विद्यार्थियों के दल ने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी- सोहन लाल, सीईओ , जिला परिषद

एसकेआरएयू: गोद लिए गांव पेमासर में वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर कार्यशाला का आयोजन

■ लोकमत , बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में ''वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए। सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें। उन्होने कहा कि मैं खुद घर में कीचन गार्डन लगाऊंगा।उन्होने कहा कि गांव की 5-6 महिलाएं अगर समूह बना लें। राजीविका का स्टाफ यहां आकर एसएचजी ग्रुप बनाकर महिलाओं को लाभान्वित कर सकेगा। साथ ही महिलाओं को प्रोडक्ट बेचने में सहूलियत होगी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गोद लिए गए गांव पेमासर के विकास में कृषि विश्वविद्यालय कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। साथ ही कहा कि गांव की महिलाओं और बालिकाओं की मांग पर कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द ही गांव में सिलाई, कढ़ाई, डिजाइन, ब्यूटीशियन इत्यादि के कोर्स भी करवाए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि गांव की महिलाएं हरियाली नाम से प्रोडक्ट बेचती हैं। स्वयं सहायता समूह के प्रोडेक्ट को कृषि विश्वविद्यालय के काउंटर पर भी बेचा जाएगा। अच्छी क्वालिटी का प्रोडक्ट बाहर भी भेजा जाएगा। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि गांव के घरों में किचन गार्डन बनाए जाते हैं तो केमिकल मुक्त सब्जियां प्राप्त हो सकेंगी। जो स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। डॉ एच.एल.देशवाल ने वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व अतिथियों का साफा पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आखिर में स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, डॉ एस.आर.यादव, डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत, केवीके बीकानेर प्रभारी डॉ दुर्गा सिंह, गांव के प्रभारी अधिकारी और एफआईएमटीटीसी इंचार्ज डॉ वाई.के.सिंह, डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ शीश पाल, डॉ मनमीत कौर समेत गांव की महिलाएं और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन केशव मेहरा ने किया।

एसकेआरएयू- आईएबीएम के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालय का लहराया परचम

हिंदुस्तान से रूबरू

बीकानेर(सुरेश जैन) स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) के विद्यार्थियों ने आईएसएबी, ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि व्यवसाय उत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर भी आईएबीएम रहा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने आईएबीएम की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि आईएबीएम अपनी स्थापना से लेकर पिछले 25 वर्षों में सौ फीसदी प्लेसमेंट के साथ अन्य प्रतियोगिताओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन करता रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन और नृत्य प्रतियोगिता में चैंपियन बनकर उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। संस्थान के निवर्तमान निदेशक डॉ आई.पी. सिंह तथा वर्तमान निदेशक डॉ विजय प्रकाश आर्य ने पुरस्कृत विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए अन्य विद्यार्थियों के लिए इसे प्रेरक बताया। संस्थान के सभी शिक्षकों डॉ अदिति माथुर, डॉ अमिता शर्मा और गैर शैक्षणिक कार्मिकों श्री दीपक माथुर, श्री सज्जन सिंह, सुश्री श्रुति मेहरा ने भी इस उपलब्धि पर प्रतिभागियों को बधाई दी। चैंपियन टीम को 31 हजार का और दूसरे स्थान पर रही टीम को 21 हजार का पुरस्कार मिला। संस्थान के मीडिया प्रभारी सहायक आचार्य श्री विवेक व्यास ने बताया कि आईएबीएम के एमबीए विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की विज्ञापन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 55 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में शार्वी लड्ढा, लीबा अशरफ, सुष्मिता और गुंजन चौहान शामिल थे। इसमें दूसरा स्थान भी आईएबीएम ने हासिल किया। इस टीम में राहुल गौरिश,तायल चौहान, अभिजीत गौरव,और महिमा त्रिवेदी शामिल रहे। श्री व्यास ने बताया कि समूह नृत्य प्रतियोगिता में 30 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें आईएबीएम की टीम अभय माथुर,अभिजीत गौरव, इशिका मीना, देविका, महिमा, प्रद्युम्न और तायल चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 27 विद्यार्थियों के दल ने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी- सोहन लाल, सीईओ , जिला परिषद

एसकेआरएयू- गोद लिए गांव पेमासर में वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर कार्यशाला का आयोजन

किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज ,वर्मी कम्पोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट पैकेट किए वितरित

हिंदुस्तान से रूबरू

बीकानेर(सुरेश जैन) स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में ''वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद श्री सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए। सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें। उन्होने कहा कि मैं खुद घर में कीचन गार्डन लगाऊंगा।उन्होने कहा कि गांव की 5-6 महिलाएं अगर समूह बना लें। राजीविका का स्टाफ यहां आकर एसएचजी ग्रुप बनाकर महिलाओं को लाभान्वित कर सकेगा। साथ ही महिलाओं को प्रोडक्ट बेचने में सहूलियत होगी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गोद लिए गए गांव पेमासर के विकास में कृषि विश्वविद्यालय कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। साथ ही कहा कि गांव की महिलाओं और बालिकाओं की मांग पर कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द ही गांव में सिलाई, कढ़ाई, डिजाइन, ब्यूटीशियन इत्यादि के कोर्स भी करवाए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि गांव की महिलाएं हरियाली नाम से प्रोडक्ट बेचती हैं। स्वयं सहायता समूह के प्रोडक्ट को कृषि विश्वविद्यालय के काउंटर पर भी बेचा जाएगा। अच्छी क्वालिटी का प्रोडक्ट बाहर भी भेजा जाएगा। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि गांव के घरों में किचन गार्डन बनाए जाते हैं तो केमिकल मुक्त सब्जियां प्राप्त हो सकेंगी। जो स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। डॉ एच.एल.देशवाल ने वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व अतिथियों का साफा पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आखिर में स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्टाता डॉ विमला डुकवाल, डॉ एस.आर.यादव, डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत, केवीके बीकानेर प्रभारी डॉ दुर्गा सिंह, गांव के प्रभारी अधिकारी और एफआईएमटीटीसी इंचार्ज डॉ वाई.के.सिंह, डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ शीश पाल, डॉ मनमीत कौर समेत गांव की महिलाएं और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन श्री केशव मेहरा ने किया।

आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता भी करना चाहिए।

एसकेआरएयू- आईएबीएम के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालय का लहराया परचम

» विज्ञापन और समूह नृत्य प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर बने चैंपियन

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) के विद्यार्थियों ने आईएसएबी, ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि व्यवसाय उत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर भी आईएबीएम रहा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने आईएबीएम की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि आईएबीएम अपनी स्थापना से लेकर पिछले 25 वर्षों में सौ फीसदी प्लेसमेंट के साथ अन्य प्रतियोगिताओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन करता रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन और नृत्य प्रतियोगिता में

चैंपियन बनकर उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

संस्थान के निवर्तमान निदेशक डॉ आई.पी. सिंह तथा वर्तमान निदेशक डॉ विजय प्रकाश आर्य ने पुरस्कृत विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए अन्य विद्यार्थियों के लिए इसे प्रेरक बताया। संस्थान के सभी शिक्षकों डॉ अदिति माथुर, डॉ अमिता शर्मा और गैर शैक्षणिक कार्मिकों दीपक माथुर, सज्जन सिंह, श्रुति मेहरा ने भी इस उपलब्धि पर प्रतिभागियों को बधाई दी। चैंपियन टीम को 31 हजार का और दूसरे स्थान पर रही टीम को 21 हजार का पुरस्कार मिला। संस्थान के मीडिया प्रभारी सहायक आचार्य विवेक व्यास ने बताया कि आईएबीएम के एमबीए विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की विज्ञापन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 55 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में शार्वी लड्ढा, लीबा अशरफ, सुष्मिता और गुंजन चौहान शामिल थे। इसमें दूसरा स्थान भी आईएबीएम ने हासिल किया। इस टीम में राहुल गौरिश,तायल चौहान, अभिजीत गौरव,और महिमा त्रिवेदी शामिल रहे। श्री व्यास ने बताया कि समूह नृत्य प्रतियोगिता में 30 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें आईएबीएम की टीम अभय माथुर,अभिजीत गौरव, इशिका मीना, देविका, महिमा, प्रद्युम्न और तायल चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 27 विद्यार्थियों के दल ने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी- सीईओ

एसकेआरएयू- गोद लिए गांव पेमासर में वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर कार्यशाला का आयोजन

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में %%वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व%% विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए। सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें। उन्होने कहा कि मैं खुद घर में कीचन गार्डन लगाऊंगा।उन्होने कहा कि गांव की 5-6 महिलाएं अगर समूह बना लें। राजीविका का स्टाफ यहां आकर एसएचजी ग्रुप बनाकर महिलाओं को लाभान्वित कर सकेगा। साथ ही महिलाओं को प्रोडक्ट बेचने में सहूलियत होगी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गोद लिए गए गांव पेमासर के विकास में कृषि विश्वविद्यालय कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। साथ ही कहा कि गांव की महिलाओं और बालिकाओं की मांग पर कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द ही गांव में सिलाई, कढ़ाई, डिजाइन, ब्यूटीशियन इत्यादि के कोर्स भी करवाए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि गांव की महिलाएं हरियाली नाम से प्रोडक्ट बेचती हैं। स्वयं सहायता समूह के प्रोडेक्ट को कृषि विश्वविद्यालय के काउंटर पर भी बेचा जाएगा। अच्छी क्वालिटी का प्रोडक्ट बाहर भी भेजा जाएगा। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि गांव के घरों में किचन गार्डन बनाए जाते हैं तो केमिकल मुक्त सब्जियां प्राप्त हो सकेंगी। जो स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। डॉ एच.एल.देशवाल ने वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व अतिथियों का साफा पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आखिर में स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, डॉ एस.आर.यादव, डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत, केवीके बीकानेर प्रभारी डॉ दुर्गा सिंह, गांव के प्रभारी अधिकारी और एफआईएमटीटीसी इंचार्ज डॉ वाई.के.सिंह, डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ शीश पाल, डॉ मनमीत कौर समेत गांव की महिलाएं और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन केशव मेहरा ने किया।

एसकेआरएयू - गोद लिए गांव पेमासर में वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट पर कार्यशाला

किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी - सोहनलाल

किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज,वर्मी कम्पोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट पैकेट किए वितरित

इबादत न्यूज

बीकानेर, 18 दिसम्बर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में 'वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए।

सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें। उन्होने कहा कि मैं खुद घर में कीचन गार्डन लगाऊंगा।उन्होने कहा कि गांव की 5-6 महिलाएं अगर समूह बना लें। राजीविका का स्टाफ यहां आकर एसएचजी ग्रुप बनाकर महिलाओं को लाभान्वित कर सकेगा। साथ ही महिलाओं को प्रोडक्ट बेचने में सहूलियत होगी।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गोद लिए गए गांव पेमासर के विकास में कृषि विश्वविद्यालय कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। साथ ही कहा कि गांव की महिलाओं और बालिकाओं की मांग पर कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द ही गांव में सिलाई, कढ़ाई, डिजाइन, ब्यूटीशियन इत्यादि के कोर्स भी करवाए जाएंगे।

कुलपति ने कहा कि गांव की महिलाएं हरियाली नाम से प्रोडक्ट बेचती हैं। स्वयं सहायता समूह के प्रोडेक्ट को कृषि विश्वविद्यालय के काउंटर पर भी बेचा जाएगा। अच्छी क्वालिटी का प्रोडक्ट बाहर भी भेजा जाएगा।

इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि गांव के घरों में किचन गार्डन बनाए जाते हैं तो केमिकल मुक्त सब्जियां प्राप्त हो सकेंगी। जो स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। डॉ एच.एल.देशवाल ने वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व अतिथियों का साफा पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आखिर में स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, डॉ एस.आर.यादव, डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत, केवीके बीकानेर प्रभारी डॉ दुर्गा सिंह, गांव के प्रभारी अधिकारी और एफआईएमटीटीसी इंचार्ज डॉ वाई.के.सिंह, डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ शीश पाल, डॉ मनमीत कौर समेत गांव की महिलाएं और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन केशव मेहरा ने किया।

एसकेआरएयू- आईएबीएम के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम

विज्ञापन और समूह नृत्य प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर बने चैंपियन

इबादत न्यूज

बीकानेर, 18 दिसम्बर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) के विद्यार्थियों ने आईएसएबी, ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि व्यवसाय उत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर भी आईएबीएम रहा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने आईएबीएम की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि आईएबीएम अपनी स्थापना से लेकर पिछले 25 वर्षों में सौ फीसदी प्लेसमेंट के साथ अन्य प्रतियोगिताओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन करता रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन और नृत्य प्रतियोगिता में चैंपियन बनकर उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

संस्थान के निवर्तमान निदेशक डॉ आई.पी. सिंह तथा वर्तमान निदेशक डॉ विजय प्रकाश आर्य ने पुरस्कृत विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए अन्य विद्यार्थियों के लिए इसे प्रेरक बताया। संस्थान के सभी शिक्षकों डॉ अदिति माथुर, डॉ अमिता शर्मा और गैर शैक्षणिक कार्मिकों दीपक माथुर, सज्जन सिंह, सुश्री श्रुति मेहरा ने भी इस उपलब्धि पर प्रतिभागियों को बधाई दी। चैंपियन टीम को 31 हजार का और दूसरे स्थान पर रही टीम को 21

हजार का पुरस्कार मिला। संस्थान के मीडिया प्रभारी सहायक आचार्य विवेक व्यास ने बताया कि आईएबीएम के एमबीए विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की विज्ञापन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 55 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में शार्वी लड्ढा, लीबा अशरफ, सुष्मिता और गुंजन चौहान शामिल थे। इसमें दूसरा स्थान भी आईएबीएम ने हासिल किया। इस टीम में राहुल गौरिश, तायल चौहान, अभिजीत गौरव और महिमा त्रिवेदी शामिल रहे। व्यास ने बताया कि समूह नृत्य प्रतियोगिता में 30 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें आईएबीएम की टीम अभय माथुर,अभिजीत गौरव, इशिका मीना, देविका, महिमा, प्रद्युम्न और तायल चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 27 विद्यार्थियों के दल ने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

राष्ट्रीय स्तर पर केशवानंद कृषि विवि का लहराया परचम

विज्ञापन और समूह नृत्य प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर इसके छात्र बने चैंपियन

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) के विद्यार्थियों ने आईएसएबी, ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि व्यवसाय उत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर भी आईएबीएम रहा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने आईएबीएम की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि आईएबीएम अपनी स्थापना से लेकर पिछले 25 वर्षों में सौ फीसदी प्लेसमेंट के साथ अन्य प्रतियोगिताओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन करता रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन और नृत्य प्रतियोगिता में चैंपियन बनकर उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। चैंपियन टीम को 31 हजार का और दूसरे स्थान पर रही टीम को 21 हजार का पुरस्कार मिला। संस्थान के मीडिया प्रभारी सहायक आचार्य विवेक व्यास ने बताया कि आईएबीएम के एमबीए विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की विज्ञापन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 55 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में शार्वी लड्ढा, लीबा अशरफ, सुष्मिता और गुंजन चौहान शामिल थे। इसमें दूसरा स्थान भी आईएबीएम ने हासिल किया। इस टीम में राहुल गौरिश,तायल चौहान, अभिजीत गौरव और महिमा त्रिवेदी शामिल रहे। व्यास ने बताया कि समूह नृत्य प्रतियोगिता में 30 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें आईएबीएम की टीम अभय माथुर, अभिजीत गौरव, इशिका मीना, देविका, महिमा, प्रद्युम्न और तायल चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 27 विद्यार्थियों के दल ने कृषि विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

दैनिक भास्कर बीकानेर 19-12-2024

पेमासर गांव में गृह वाटिका में महत्व पर कार्यशाला हुई

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में 'वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन के लिए सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए। सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें।

yugpaksh epaper 19th dec 2024

किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी- सोहन लाल

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए। सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें। उन्होने कहा कि मैं खुद घर में किचन गार्डन लगाऊंगा। उन्होंने कहा कि गांव की 5-6 महिलाएं अगर समूह बना लें। राजीविका का स्टाफ यहां आकर एसएचजी ग्रुप बनाकर महिलाओं को लाभान्वित कर सकेगा। साथ ही महिलाओं को प्रोडक्ट बेचने में सहूलियत होगी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गांव की महिलाओं और बालिकाओं की मांग पर कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द ही गांव में सिलाई, कढ़ाई, डिजाइन, ब्यूटीशियन इत्यादि के कोर्स भी करवाए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि गांव की महिलाएं हरियाली नाम से प्रोडक्ट बेचती हैं। स्वयं सहायता समूह के प्रोडेक्ट को कृषि विश्वविद्यालय के काउंटर पर भी बेचा जाएगा। अच्छी क्वालिटी का प्रोडक्ट बाहर भी भेजा जाएगा। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि गांव के घरों में किचन गार्डन बनाए जाते हैं तो केमिकल मुक्त सब्जियां प्राप्त हो सकेंगी। जो स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। डॉ एच.एल.देशवाल ने वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर विस्तृत जानकारी दी।

वर्मी कम्पोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर कार्यशाला आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन के लिए सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए। सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें। उन्होने कहा कि मैं खुद घर में कीचन गार्डन लगाऊंगा। कुलपति ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द ही गांव में सिलाई, कढ़ाई, डिजाइन, ब्यूटीशियन इत्यादि के कोर्स भी करवाए जाएंगे। अनुसंधान निदेशक डॉ. विजय प्रकाश ने कहा कि गांव के घरों में किचन गार्डन बनाए जाते हैं तो केमिकल मुक्त सब्जियां प्राप्त हो सकेंगी। जो स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

परचम : विज्ञापन और समूह नृत्य प्रतियोगिता में कृषि विवि चैंपियन

बीकानेर, 18 दिसंबर (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) के विद्यार्थियों ने आईएसएबीए ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि व्यवसाय उत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञापन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर भी आईएबीएम रहा। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने टीम को बधाई दी है।

संस्थान के निवर्तमान निदेशक डॉ. आईपी सिंह तथा वर्तमान निदेशक डॉ. विजय प्रकाश आर्य ने पुरस्कृत विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए अन्य विद्यार्थियों के लिए इसे प्रेरक बताया। चैंपियन टीम को 31 हजार का और दूसरे स्थान पर रही टीम को 21 हजार का पुरस्कार मिला। संस्थान के मीडिया प्रभारी सहायक आचार्य विवेक व्यास ने बताया कि आईएबीएम के एमबीए विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की विज्ञापन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 55 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में शार्वी लढ़ा, लीबा अशरफ, सुष्मिता और गुंजन चौहान शामिल थे। इसमें दूसरा स्थान भी आईएबीएम ने हासिल किया। इस टीम में राहुल गौरिश,तायल चौहान, अभिजीत गौरवऔर महिमा त्रिवेदी शामिल रहे। व्यास ने बताया कि समूह नृत्य प्रतियोगिता में 30 से अधिक महाविद्यालयों के मध्य प्रतियोगिता हुई। आईएबीएम की टीम अभय माथुर,अभिजीत गौरव, इशिका मीना, देविका, महिमा, प्रद्युम्न और तायल चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 27 विद्यार्थियों के दल ने कृषि विवि का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

शुद्धता और स्वाद में किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी- सीईओ सोहन लाल

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में 'वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए। सीईओ सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें। उन्होने कहा कि मैं खुद घर में कीचन गार्डन लगाऊंगा।उन्होने कहा कि गांव की 5-6 महिलाएं अगर समूह बना लें। राजीविका का स्टाफ यहां आकर एसएचजी ग्रुप बनाकर महिलाओं को लाभान्वित कर सकेगा। साथ ही महिलाओं को प्रोडक्ट बेचने में सहूलियत होगी।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गोद लिए गए गांव पेमासर के विकास में कृषि विश्वविद्यालय कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। साथ ही कहा कि गांव की महिलाओं और बालिकाओं की मांग पर कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द ही गांव में सिलाई, कढ़ाई, डिजाइन, ब्यूटीशियन इत्यादि के कोर्स भी करवाए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि गांव की महिलाएं हरियाली नाम से प्रोडक्ट बेचती हैं। स्वयं सहायता समूह के प्रोडेक्ट को कृषि विश्वविद्यालय के काउंटर पर भी बेचा जाएगा। अच्छी क्वालिटी का प्रोडक्ट बाहर भी भेजा जाएगा। अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि गांव के घरों में किचन गार्डन बनाए जाते हैं तो केमिकल मुक्त सब्जियां प्राप्त हो सकेंगी। जो स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। डॉ एच.एल.देशवाल ने वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व अतिथियों का साफा पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आखिर में स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, डॉ एस.आर.यादव, डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत, केवीके बीकानेर प्रभारी डॉ दुर्गा सिंह, गांव के प्रभारी अधिकारी और एफआईएमटीटीसी इंचार्ज डॉ वाई.के.सिंह, डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ शीश पाल, डॉ मनमीत कौर समेत गांव की महिलाएं और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन केशव मेहरा ने किया।

पंजाब केसरी
THU,19 DECEMBER 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 2

किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी : सोहन लाल

बीकानेर, 18 दिसंबर (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में 'वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व' विषय पर 1 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद सोहन लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की।

इस अवसर पर किसानों को किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट भी वितरित किए गए। सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने कार्यशाला में कहा कि किचन गार्डन की सब्जियां बाजार से हजार गुनी अच्छी है। पेमासर गांव के लोग ज्यादा से ज्यादा घरों में किचन गार्डन लगाएं और इसका फायदा लें।

उन्होंने कहा कि मैं खुद घर में कीचन गार्डन लगाऊंगा। उन्होंने कहा कि गांव की 5-6 महिलाएं अगर समूह बना लें। राजीविका का स्टाफ यहां आकर एसएचजी ग्रुप बनाकर महिलाओं को लाभान्वित कर सकेगा, साथ ही महिलाओं को प्रोडक्ट बेचने में सहूलियत होगी।

किचन गार्डन हेतु सब्जियों की पौध, बीज, वर्मी कम्पोस्ट और ऊन अपशिष्ट के पैकेट वितरित करते हुए। (प्रेम)

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि गोद लिए गए गांव पेमासर के विकास में कृषि विश्वविद्यालय कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा, साथ ही कहा कि गांव की महिलाओं और बालिकाओं की मांग पर कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द ही गांव में सिलाई, कढ़ाई, डिजाइन, ब्यूटीशियन इत्यादि के कोर्स भी करवाए जाएंगे।

कुलपति ने कहा कि गांव की महिलाएं हरियाली नाम से प्रोडक्ट बेचती हैं। स्वयं सहायता समूह के प्रोडेक्ट को कृषि विश्वविद्यालय के काउंटर पर भी बेचा जाएगा।

अच्छी क्वालिटी का प्रोडक्ट बाहर भी भेजा जाएगा। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. विजय प्रकाश ने कहा कि गांव के घरों में किचन गार्डन बनाए जाते हैं, तो कैमिकल मुक्त सब्जियां प्राप्त हो सकेंगी, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

डॉ. एच.एल. देशवाल ने वर्मी कंपोस्ट एवं ऊन अपशिष्ट का गृह वाटिका में महत्व विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व अतिथियों का साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्टाता डॉ. विमला ढुकवाल, डॉ. एस.आर.यादव, डॉ. भूपेन्द्र सिंह शेखावत, केवीके बीकानेर प्रभारी डॉ. दुर्गा सिंह, गांव के प्रभारी अधिकारी और एफ.आई.एम. टी.टी.सी. इंचार्ज डॉ. वाई.के. सिंह, डॉ. राजेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. शीश पाल, डॉ. मनमीत कौर समेत गांव की महिलाएं और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।